University in News on 22 October 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : 39 छात्रों ने पाई नौकरी

लखनऊ। लविवि के सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की ओर से हुए प्लेसमेंट ड्राइव में 39 छात्र-छात्राओं का पांच कंपनियों में प्लेसमेंट हुआ है। प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि चयनितों को पहले ट्रेनी के तौर प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके बाद इन सभी को 4.5 लाख तक प्रतिवर्ष भुगतान किया जाएगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी को बधाई दी। (संवाद)

लविवि पहुंचीं प्रथम कुलपति की परपोती

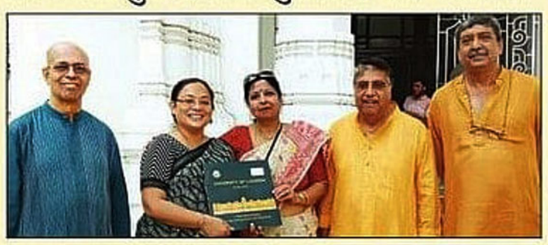

लखनऊ। लखनऊ विवि के पहले कुलपति प्रो. जीएन चक्रवर्ती (1920-1926) की परपोती अमिता रॉय चौधरी और उनके पति, कमांडर समीर रॉय शनिवार को लविवि के भ्रमण पर पहुंचे। वह अपने परबाबा की एक पुरानी तस्वीर देखने के लिए लविवि पहुंचीं जो टैगोर पुस्तकालय में संरक्षित है। अमिता ने कहा कि वह अपने परदादा की विरासत के साथ फिर से जुड़ने और लविवि के साथ व्यक्तिगत संबंध बनाने के लिए उत्सुक हैं। इस मौके पर उन्होंने टैगोर लाइब्रेरी का भ्रमण भी किया। डीन अकादमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने उनका स्वागत किया। (संवाद)

ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स पूरा

लखनऊ। लविवि स्थित यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र में 9-21 अक्तूबर तक हुए अंग्रेजी साहित्य में ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स का शनिवार को समापन हो गया। इसमें देशभर के शिक्षकों व विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया। समन्वयक डॉ. विनीत मैक्सवेल डेविड ने विशेषज्ञों के साथ यह सुनिश्चित किया कि वर्चुअल स्पेस बौद्धिक उत्तेजना का एक जीवंत केंद्र बन जाए। निदेशक प्रो. कमल कुमार ने कहा कि यह कोर्स विवि के शिक्षकों के लिए ज्ञान का स्रोत साबित हुआ है। (संवाद)

लविवि : दूसरा सीट आवंटन जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शनिवार को परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत एमएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए दूसरा सीट आवंटन जारी कर दिया। अभ्यर्थी लॉगिन आईडी व पासवर्ड के माध्यम के सीट आवंटन का समस्त विवरण देख सकते हैं। पाठ्यक्रम में फीस जमा करने की अंतिम तिथि 24 अक्तूबर है। (संवाद)

लखनऊ विश्वविद्यालय में लोक सेवा में चयनितों का हुआ सम्मान। संवाद

लविवि : लोक सेवा में चयनित छात्र का सम्मान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में विधि विभाग की ओर से शनिवार को विश्वकर्मा सभागार में लोक सेवा में चयनित विद्यार्थियों का सम्मान हुआ। विधि संकाय की एल्युमिनाई एसोसिएशन और लविवि के संयुक्त तत्वाधान में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जस्टिस बृजराज सिंह ने विभाग के विद्यार्थी रहे सभी चयनितों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी किसी भी सेवा में जाएं, उनकी पहचान हमेशा उनके शिक्षण संस्थान से होती है। जिन लोक सेवकों को सम्मानित किया गया उनमें वर्ष 2022-2023 में चयनित 40 पीसीएस जे, सात असिस्टेंट प्रोफेसर और 10 एपीओ शामिल रहे। विशिष्ट अतिथि प्रो. बलराज चौहान ने डॉ. उग्रसेन वर्मा व प्रो. आरके सिंह की पुस्तक 'नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं बालकों का निःशुल्क शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009: एक विधिक अध्ययन' का विमोचन किया। इस मौके पर डीन प्रो. बीडी सिंह, प्रो. आनन्द विश्वकर्मा, प्रो. सतीश चंद्र व प्रो. अनुराग श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित रहे। संवाद

लविवि : सहायक आचार्य पद के लिए परीक्षा पांच को

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लविवि के विभिन्न विभागों में खाली असिस्टेंट प्रोफेसर के 64 पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी हो गई है। पांच नवंबर को लिखित परीक्षा होगी। जानकारी के मुताबिक, 64 पदों पर भर्ती के लिए तीन हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

लखनऊ विवि ने सितंबर में शिक्षकों के 145 खाली पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया था। इसमें सहायक आचार्य के 64, सह आचार्य के 51 और आचार्य के 30 पदों पर

64 पदों के लिए तीन हजार आवेदन

भर्ती के लिए कुलसचिव ने अधिसूचना जारी की थी। आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर तय थी। लिखित परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों का साक्षात्कार होगा। इसके जरिए वनस्पति विज्ञान, रसायन शास्त्र, भूविज्ञान, प्राणिशास्त्र, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, पश्चिमी इतिहास और विधि विभाग के आवेदकों की शॉर्ट-लिस्टिंग की जाएगी। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि प्रश्नपत्र में 40 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे। जो एक-एक अंक के होंगे।

HINDUSTAN PAGE 8, 9

कानूनी व दार्शनिक सलाह पर ध्यान दें

लखनऊ। एलयू के दर्शनशास्त्र विभाग में सैटरडे सेमिनार के तहत व्याख्यान हुआ। शोध छात्रा तूलिका गुप्ता ने फिलॉस्फिकल काउंसिलिंग ए डायर नीड पर जानकारी दी। छात्रा ने कानूनी और दार्शनिक सलाहों पर जोर देने की बात की। इस मौके पर विभागाध्यक्षा डॉ. रजनी श्रीवास्तव, प्राचार्य डॉ. प्रशांत शुक्ला, डॉ. राजेंद्र वर्मा, शोध छात्रा सोनाक्षी मौर्य, अनुज कुमार मिश्रा आदि रहे।

अंग्रेजी साहित्य में ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स पूरा

लखनऊ। एलयू स्थित यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र की ओर से 9-21 अक्टूबर तक अंग्रेजी साहित्य मे ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन हुआ। इसमें देश भर से प्रतिभागियों और विशेषज्ञों ने भाग लिया। पाठ्यक्रम के समन्वयक डॉ. विनीत मैक्सवेल डेविड ने कहा कि वर्चुअल स्पेस बौद्धिक उत्तेजना का एक जीवंत केंद्र बन जाए। निदेशक प्रोफेसर कमल कुमार व अन्य रहे।

यूपी न्यायिक परीक्षा में चयनितों का हुआ सम्मान

लखनऊ। एलयू में एलुमिनाई एसोसिएशन की ओर से छात्रों का सम्मान समारोह हुआ। मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के न्यायाधीश बृजराज सिंह, आरएमएनएलयू के पूर्व कुलपति प्रो. बलराज चौहान रहे। उन्होंने सहायक आचार्य, यूपी न्यायिक परीक्षा व एपीओ 2022-2023 में चयनित होने छात्रों को सम्मानित किया।

एलयू: 64 पदों पर तीन हजार आवेदन

लखनऊ। एलयू में अलग-अलग संकायों में रिक्त सहायक आचार्य के 64 पदों पर नियुक्ति के लिए तीन हजार से ज्यादा आवेदन आए हैं। आगामी पांच नवंबर को अभ्यर्थियों को शार्टलिस्ट करने के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के अलग-अलग संकायों में 145 पदों पर भर्ती का विज्ञापन सितंबर माह में जारी किया गया था। सहायक आचार्य के 64, सह आचार्य के 51 और आचार्य के 30 पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी हुई।

एलयू: 27 छात्रा का कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 27 छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट हुआ है। पांच प्रतिष्ठित कम्पनियां प्लेसमेंट के लिए पहुंची थीं। चयनितों को लाखों रुपये का सालाना पैकेज मिला है। लखनऊ विश्वविद्यालय में सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की ओर से प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया था। जिसमें टीसीजी लाइफसाइंसेज कंपनी में एमएससी के 14 छात्रों अमित कुमार, आस्था दुबे, आयुष पांडेय, हर्षिता सरोज, पायल सिंघवाल, राजकुमार तिवारी, शिवानी कुमारी आदि का चयन हुआ।

JAGRAN CITY PAGE III

विधि के क्षेत्र में योगदान करने के लिए सम्मान

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के जानकीपुरम कैंपस में विधि के क्षेत्र में सफल छात्रों को सम्मानित किया गया। विधि संकाय की पुरातन छात्र संगठन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाई कोर्ट लखनऊ बेंच के न्यायाधीश बृजराज सिंह और डा. राममनोहर लोहिया नेशनल ला यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति प्रो. बलराज चौहान ने असिस्टेंट प्रोफेसर, उत्तर प्रदेश न्यायिक परीक्षा और अभियोजन अधिकारी में चयनित होने वाले अभ्यर्थियों को सम्मानित किया।

40 पीसीएस जे, सात असिस्टेंट प्रोफेसर, 10 अभियोजन अधिकारी और 10 अन्य छात्र सम्मानित हुए। कार्यक्रम में डा. उग्रसेन वर्मा और प्रो. आरके सिंह की पुस्तक नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति और बालकों को निश्शुल्क शिक्षा का अधिकार एक विधिक अध्ययन पुस्तक का विमोचन किया गया। विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बीडी सिंह, सहायक कुलानुशासक प्रो. सतीश चंद्र, प्रो. अनुराग श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

परिसर में परदादा की स्मृतियों को देख भावुक हुईं अमिता

पहले कुलपति राय बहादुर की परपोती को काफी टेबल बुक देतीं प्रो. गीतांजलि • सौ. लवि

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति की परपोती ने परिसर का दौरा किया, कहा-परदादा की तस्वीर देखने दोबारा आऊंगी

जागरण संवाददाता,लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय की नींव रखने वाले पहले कुलपति राय बहादुर ज्ञानेंद्र नाथ चक्रवर्ती की स्मृतियां आज भी परिसर में मौजूद हैं। शनिवार को उनकी परपोती अमिता राय चौधरी और उनके पति सेवानिवृत्त कमांडर समीर राय चौधरी विश्वविद्यालय पहुंचे और उन स्मृतियों को देखकर भावुक हो गए। विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति की एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर परिसर में रखी गई है।

प्रो. राय बहादुर ज्ञानेंद्र नाथ चक्रवर्ती ने 1920 से 1926 तक पहले कुलपति के रूप में कार्य किया। वह एनी बेसेंट के साथ शिकागो में 1893 के विश्व धर्म संसद में भाग लेने वाले थियोसोफिकल सोसाइटी से भेजे गए वक्ताओं के प्रतिनिधिमंडल का भी हिस्सा थे। इसी धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद ने विश्व के नेताओं को संबोधित किया था। अमिता राय अपने परदादा की विरासत के साथ जुड़ने और विश्वविद्यालय के साथ व्यक्तिगत संबंध बनाने के लिए उत्सुक हैं। पहले कुलपति की तस्वीर टैगोर लाइब्रेरी में इंटेक से किए गए जीर्णोद्धार का हिस्सा है। राय चौधरी तस्वीर को ढूंढने के लिए टैगोर लाइब्रेरी के किए गए प्रयासों से काफी प्रभावित हुईं। उन्होंने कहा कि संरक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद वह तस्वीर देखने के लिए वापस आएंगी। डीन अकादमी प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने उन्हें काफी टेबल बुक भेंट की। उन्होंने राय चौधरी से कहा कि उनके घर पर राय बहादुर और लखनऊ विश्वविद्यालय से संबंधित जो भी दस्तावेज हैं, उसे वह साझा करें। इससे उनके विषय में लोगों को जानने का मौका मिलेगा।

PIONEER PAGE 3

प्रथम कुलपति की परपोती ने किया विश्वविद्यालय का दौरा

● परदादा के संस्थान को देखकर हुई भावुक

● 1920 से 1926 तक लविवि के कुलपति थे राय बहादुर ज्ञानंद्र नाथ चक्रवर्ती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

1920 से 1926 तक लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति रहे राय बहादुर ज्ञानंद्र नाथ चक्रवर्ती की परपोती अमिता रॉय चौधरी और उनके पति, कमांडर समीर रॉय चौधरी (सेवानिवृत्त) शनिवार को परिसर पहुंचे। परिसर पहुचने के बाद वे राय बहादुर ज्ञानंद्र नाथ चक्रवर्ती की स्मृतियों को देखने टैगोर लाइब्रेरी भी गए। जहां पर उनकी तस्वीर संग अन्य दस्तावेज के रूप में सहेज कर रखे गए स्मृतियों को देख कर वह भावुक हो उठे। इस दौरान उन्होंने दोबारा परिसर आने का बाद भी किया।

अमिता रॉय चौधरी अपने प्रतिष्ठित पूर्वज की एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर देखने के लिए एक अनोखी यात्रा पर हैं, जिसका रंगीन संस्करण उनके मायके की शोभा बढ़ाता है। राय बहादुर ज्ञानंद्र नाथ चक्रवर्ती लखनऊ विश्वविद्यालय के इतिहास में एक प्रमुख व्यक्ति थे। जिन्होंने 1920 से 1926 तक पहले कुलपति के रूप में कार्य किया। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और लखनऊ विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और सांस्कृतिक विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने इसकी उत्कृष्टता की नींव रखी। अमिता रॉय चौधरी जो इस भावुक खोज पर निकली हैं अपने परदादा की विरासत के साथ फिर से जुड़ने और उस विश्वविद्यालय के साथ व्यक्तिगत संबंध बनाने के लिए उत्सुक हैं। जिसने उनके जीवन और करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी यात्रा न केवल लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थायी विरासत का प्रमाण है बल्कि एक पारिवारिक यात्रा भी है। परिसर पहुंचने के बाद उनका स्वागत डीन अकादमिक प्रो गीतांजलि मिश्रा ने किया। इसके बाद वह टैगोर लाइब्रेरी भी गई। जहां पर इंटेक द्वारा जीर्णोद्धार किया जा रहा है। इस दौरान उन्हें राय बहादुर ज्ञानंद्र नाथ चक्रवर्ती की ब्लैक एवं व्हाइट तस्वीर मिली, जिसके संरक्षण का कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि संरक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद वह तस्वीर देखने के लिए वापस आएंगी। प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा, डीनए अकादमिक, जो उनके दौरे में उनके साथ थीं, ने उन्हें कॉफी टेबल बुक भेंट की। जो उनके लिए एक बहुत ही भावनात्मक उपहार था। इस दौरान प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा ने अमिता रॉय चौधरी से राय बहादुर साहब और लखनऊ विश्वविद्यालय से संबंधित दस्तावेज़ साझा करने के लिए कहा जो उनके घर पर उपलब्ध हो सकते हैं।

1893 के विश्व धर्म संसद में चक्रवर्ती ने लिया था हिस्सा

राय बहादुर ज्ञानंद्र नाथ चक्रवर्ती, एनी बेसेंट के साथ शिकागो में 1893 के विश्व धर्म संसद में भाग लेने वाले थियोसोफिकल सोसाइटी द्वारा भेजे गए वक्ताओं के प्रतिनिधिमंडल का भी हिस्सा थे। इसी 1893 की विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानन्द ने विश्व नेताओं को संबोधित किया था।

THE PIONEER PAGE 3

Great-granddaughter of first VC visits LU

Lucknow (PNS): Amita Roy Choudhury, the great-granddaughter of Lucknow University's very first vice-chancellor Rai Bahadur Gyanandra Nath Chakravarty, visited the institution on Saturday. She was accompanied by her husband, Commander (Retd) Samir Roy Choudhury on Saturday. She is on a journey to see her distinguished ancestor's black and white photograph, coloured version of which adorns her maternal home.

Rai Bahadur Gyanandra Nath Chakravarty served as the first VC of LU from1920 to 1926. His leadership and commitment to the academic and cultural development of the university laid the foundation for its excellence today. He was also part of the delegation of speakers sent by Theosophical Society that attended the 1893 World's Parliament of Religions in Chicago along with Annie Besant. It was in the 1893 World's Parliament of Religions that Swami Vivekanand addressed world leaders.

Roy Choudhury is eager to reconnect with her great-grandfather's legacy and make a personal connection with the university that played a pivotal role in his life and career.

She was moved by the efforts taken by Tagore Library to locate the photograph. She said she would return to see the photograph once the conservation process was over.

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 6

लविवि के प्रथम कुलपति की परपोती ने परिसर का किया दौरा

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति की परपोती श्रीमती अमिता रॉय चौधरी और उनके पति, कमांडर समीर रॉय चौधरी (सेवानिवृत्त) ने शनिवार को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। श्रीमती अमिता रॉय चौधरी लविवि के पहले कुलपति, राय वहादुर ज्ञानंद्र नाथ चक्रवर्ती की परपोती है। श्रीमती रॉय चौधरी पूर्वज की तस्वीर देखने के लिए अनोखी यात्रा पर है, जिसका रंगीन संस्करण उनके मायके की शोभा वढ़ाता है।

राय वहादुर ज्ञानंद्र नाथ चक्रवर्ती 1920 से 1926 तक पहले कुलपति के रूप में कार्य किया। राय वहादुर ज्ञानंद्र नाथ चक्रवर्ती, एनी वेसेंट के साथ शिकागो में 1893 के विश्व धर्म संसद में भाग लेने वाले थियोसोफिकल सोसाइटी द्वारा भेजे गए वक्ताओं के प्रतिनिधिमंडल का भी हिस्सा थे। इसी 1893 की विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानन्द ने विश्व नेताओं को संवोधित किया था। श्रीमती रॉय चौधरी, जो इस भावुक खोज पर निकली है, अपने परदादा की विरासत के साथ फिर से जुड़ने और संवंध वनाने के लिए उत्सुक है जिसने उनके जीवन और करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी यात्रा न केवल लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थायी विरासत का प्रमाण है, वल्कि एक हार्दिक पारिवारिक यात्रा भी है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

बाबा की तस्वीर देखने प्रथम कुलपति की परपोती पहुंची एलयू

स्वतंत्र भारत लखनऊ। लखनऊ विवि में प्रथम कुलपति की परपोती अपने पति के साथ पहुंची। उन्होंने एलयू का भ्रमण किया। एलयू में शनिवार को 1920 से 1926 तक प्रथम कुलपति रहे राय बहादुर ज्ञानंद्र नाथ चक्रवर्ती की परपोती अमिता रॉय चौधरी अपने पति कमांडर (रि.) समीर रॉय चौधरी के संग पहुंची। वह अपने पूर्वज की एक काली तस्वीर देखने के लिए एक अनोखी यात्रा पर हैं जिसका रंगीन संस्करण उनके मायके में है। तस्वीर टैगोर लाइब्रेरी में इन्टैक की ओर से किए गए जीर्णोद्धार का हिस्सा है। अमिता रॉय चौधरी ने कहा कि संरक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद वह तस्वीर देखने के लिए वापस आएंगी। इस दौरान अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा उनके संग रहीं। उन्होंने विवि के 100 वर्षों के इतिहास पर लिखी कॉफी टेबल बुक भी भेंट की। अधिष्ठाता अकादमिक ने रॉय चौधरी से राय बहादुर साहब और लखनऊ विश्वविद्यालय से संबंधित दस्तावेज साझा करने को भी कहा।

TOI PAGE 3

Descendant of LU's first 'visionary' VC visits to 'reconnect'

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The great-granddaughter of Rai Bahadur Gyanandra Nath Chakravarty, the first vice chancellor of Lucknow University, visited the campus on Saturday. Amita Roy Choudhury and her husband, Commander (retired) Samir Roy Choudhury, visited the university library and looked at an old and historical picture of the first VC.

"I am on a unique journey to see a black and white photographs of my distinguished ancestor, the coloured version of which adorns my maternal home," said Amita

"Chakravarty was LU's first Vice-Chancellor, from 1920 to 1926. His visionary leadership and unwavering commitment to the academic and cultural development of LU laid the foundation for its excellence today," said LU spokesperson Durgesh Srivastava, adding that the first VC was also part of the delegation of speakers sent by the Theosophical Society that attended the 1893 World's Parliament of Religions in Chicago, along with Annie Besant.

(L) Amita Roy Choudhury at Lucknow University's campus

"Roy Choudhury is on this sentimental and academic quest and is eager to reconnect with her great-grandfather's legacy and to establish a personal connection with the university that played a pivotal role in his life and career," said dean academics, Prof Geetanjali Mishra. She said her visit was a testament to the enduring legacy of LU and also a heartwarming family journey.

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि के पहले कुलपति की प्रपौत्री ने किया विवि का दौरा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के पहले कुलपति रहे राय बहादुर ज्ञानेन्द्र नाथ चक्रवर्ती की प्रपौत्री अमिता राय चौधरी ने विश्वविद्यालय का शुक्रवार को दौरा किया। उनके साथ उनके पति सेवानिवृत्त कमांडर समीर रॉय चौधरी भी मौजूद थे।

रॉय चौधरी अपने प्रतिष्ठित पूर्वज की श्वेत-श्याम तस्वीर देखने के लिए एक अनोखी यात्रा पर हैं, जिसका रंगीन संस्करण उनके मायके की शोभा बढ़ाता है। वहीं राय बहादुर ज्ञानेंद्र नाथ चक्रवर्ती, इस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के इतिहास में एक प्रमुख व्यक्ति थे, जिन्होंने 1920 से 1926 तक पहले कुलपति के रूप में कार्य किया। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और लखनऊ विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और सांस्कृतिक विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने इसकी उत्कृष्टता की नींव रखी। राय बहादुर ज्ञानेंद्र नाथ चक्रवर्ती, एनी बेसेंट के साथ शिकागो में 1893 के विश्व धर्म संसद में भाग लेने वाले थियोसोफिकल सोसाइटी द्वारा भेजे गए वक्ताओं के प्रतिनिधिमंडल का भी हिस्सा थे। इसी 1893 की विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानन्द ने विश्व नेताओं को संबोधित किया था।

रॉय चौधरी, जो इस भावुक खोज पर निकली हैं, अपने परदादा की विरासत के साथ फिर से जुड़ने और उस विश्वविद्यालय के साथ व्यक्तिगत संबंध बनाने के लिए उत्सुक हैं जिसने उनके जीवन और कॅरियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी यात्रा न केवल लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थायी विरासत का प्रमाण है, बल्कि एक हार्दिक पारिवारिक यात्रा भी है। रॉय चौधरी तस्वीर को ढूंढने के लिए टैगोर लाइब्रेरी द्वारा किए गए प्रयासों से प्रभावित हुईं। उन्होंने कहा कि संरक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद वह तस्वीर देखने के लिए वापस आएंगी।

विश्वविद्यालय पहुंचीं अमिता राय चौधरी, साथ में अन्य। अमृत विचार

● 1920 से 1926 तक राय बहादुर ज्ञानेन्द्र नाथ चक्रवर्ती रह चुके हैं कुलपति

सहायक आचार्य के पद 64 पर आवेदन आए साढ़े तीन हजार

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में अलग-अलग संकायों में खाली पड़े सहायक आचार्य के 64 पद पर नियुक्ति के लिए साढ़े तीन हजार आवेदन आ चुकी है। भर्ती के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन आगामी पांच नवंबर को किया जायेगा।

विश्वविद्यालय की ओर से 145 पदों पर भर्ती का विज्ञापन पूर्व में जारी किया गया था। इसमें सहायक आचार्य के 64, सह आचार्य के 51 और आचार्य के 30 पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी हुई थी जिस पर 30 सितंबर तक आवेदन लिए गए इसमें सहायक आचार्य के 64 पदों पर तीन हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। जिसके लिए 5 नवंबर को लिखित परीक्षा का आयोजन होगा। इसके जरिए वनस्पति विज्ञान, रसायन शास्त्र, भूविज्ञान, प्राणीशास्त्र, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, पश्चिमी इतिहास और विधि विभाग के आवेदकों की शॉर्टलिस्टिंग की जाएगी। परीक्षा। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि प्रश्न पत्र में एक अंक के 40 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे। परीक्षा में फोटो, पहचान पत्र व प्रवेश पत्र लाना आवश्यक है। स्थान और समय एडमिट कार्ड में दिया जाएगा।

केवल सिविल सेवा की ओर न हों आकर्षित

लखनऊ : एलयू में शनिवार को हैप्पी चिकिंग लेबोरेटरी और काउंसलिंग एंड गाइस सेल की ओर से प्रतिस्पर्धी क्षमता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव आईएएस आलोक रंजन रहे। उन्होंने कहा कि क्षमता से मेल खाता हुआ कॅरियर चुनना चाहिए। केवल सत्ता और सिविल सेवाओं की स्थिति से आकर्षित न हों। प्रतियोगी परीक्षाओं में संतुलित दृष्टिकोण, आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक सोच, रचनात्मकता और आध्यात्मिक जुड़ाव अपनाकर उत्तर देना चाहिए। अधिक से अधिक किताबें पढ़ें। उन्होंने छात्रों के सामने अपने निजी जीवन के अनुभवों को भी साझा किया।